बाल भारती पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा, दिल्ली ११००३४

हिंदी

कक्षा- IX

दुःख का अधिकार

अभ्यास पत्रिका

BBPS PITAMPURA

प्यारे बच्चो!

निम्नलिखित प्रश्न विकल्प सहित दिए गए हैं आप को प्रश्न लिखकर केवल उचित विकल्प कॉपी में लिखना है।

उपर्युक्त पाठ के अध्ययन के लिए निम्नलिखित लिंक का प्रयोग कीजिए।

https://www.youtube.com/watch?v=n9XJKw9XuwY

दुःख का अधिकार (पाठ १ PDF)
https://drive.google.com/open?id=1k-kj5S5tn0ZfNn78EVdUkFvMYHicfL4H

क) भगवाना के घर में कौन -कौन था?

- वह अकेला रहता था।
- पत्नी, माँ और बच्चे थे।
- केवल पत्नी और बच्चे थे।
- केवल माँ और भगवाना थे।

ख) भगवाना की मृत्यु का क्या कारण था?

- उसे बिच्छू ने काटा था।
- उसे साँप ने काटा था।
- उसे कीड़े ने काटा था।
- भगवाना दिल का मरीज था।

ग) ख़रबूजे बेचने वाला लड़का कितने वर्ष का था?

- 20 वर्ष
- 23 वर्ष
- 24 वर्ष
- 19 वर्ष

घ) लड़का अपने घर का निर्वाह कैसे करता था?

- तरबूज बेचकर
- अँगूर बेचकर
- संतरे बेचकर
- खरबूजे बेचकर

ङ) सर्प के काटने से किस का शरीर काला पड़ गया था?

- दीवाना का
- भगवाना का
- सुहाना का
- कोरोना का

BBPS,PITAMPURA

च)भूख से बिलबिलाते बच्चों को बुढ़िया ने खाने के लिए क्या दिया ?

- रोटी
- चावल
- ख़रबूजे
- केले

छ)संभ्रांत महिला को पंद्रह -पंद्रह मिनट बाद मूर्च्छा क्यों आ जाती थी ?

- उसे बुखार था।
- उसे पीलिया था।
- उसके पुत्र की मृत्यु हो गई थी।
- उसमें खून की कमी थी।

ज)लड़के को बचाने के लिए बुढ़िया माँ ने क्या -क्या उपाए किए ?

- ओझा को बुलाकर झाड़ -फूँक करवाया।
- नाग देवता की पूजा की।
- घर का आटा-दाल ओझा को दे दिया।
- तीनों विकल्प सही हैं।

झ)लड़के की मृत्यु के दूसरे ही दिन बुढ़िया ख़रबूजे बेचने क्यों चल दी ?

- उसके पोता -पोती भूखे थे।
- बहू बहुत बीमार थी।
- घर में खाने को कुछ न था।
- तीनो विकल्प सही हैं।

BBPS PTAMPURA

ञ)संभ्रांत महिला पुत्र की मृत्यु के बाद कितने मास तक पलंग से उठ न सकी थी ?

- तीन मास तक
- अढ़ाई मास तक
- दो मास तक
- चार मास तक

अनौपचारिक पत्र

विषय: आप छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं लेकिन 'लॉक डाउन 'के कारण घर नहीं पहुँच पाए, इस कारण आप की माता जी परेशान हैं ,उन्हें अपनी स्थिति के बारे में बताते हुए पत्र लिखिए।

परीक्षा-भवन

7 अप्रैल, 2020

आदरणीय माता जी,

सादर चरण -स्पर्श।

मैं छात्रावास में कुशल व स्वस्थ हूँ और आप के कुशल व स्वस्थ होने की कामना करता हूँ।

माता जी, 24 मार्च को मुझे हल्का ज्वर आगया था और घर आने के लिए मेरी टिकट की बुकिंग भी 26 मार्च की थी, उसी शाम मोदी जी ने रात 12 बजे

BBPS,PITAMPURA

से लॉक डाउन की घोषणा कर दी। मेरे साथ दस साथी और भी छात्रावास में रह गए हैं क्योंकि उन की भी बुकिंग 27 -28 मार्च की थी। आप चिंता न करें ,हमारी अध्यापिकाएँ हमें 'इ -लर्निंग' के द्वारा पढ़ा रही हैं ,साथ ही हमारा खाना बनाने के लिए एक महाराज व उनका सहायक भी रुके हैं। मैं यहाँ स्वस्थ हूँ और अपनी पढ़ाई भी कर रहा हूँ, समय-समय पर हमारी अध्यापिकाएँ भी फोन करके हमारा हालचाल पूछती रहती हैं तथा कॉपी-पेन की आवश्यकताओं को भी पूरा कर रही हैं। हम सभी बच्चे बराबर दूरी बनाकर काम कर रहे हैं।

पिता जी को चरण-स्पर्श तथा छुटकी को प्यार देना आप सभी मेरी चिंता न करते हुए, सरकार द्वारा लगाए गए निर्देशों का पालन करना।

आपका पुत्र,

क. ख. ग.

नोट: उपर्युक्त पत्र को ध्यान से पढ़ें तथा नीचे लिखे विषय पर पत्र अपनी कॉपी में लिखें -

विषय: आप के दादा-दादी इस 'लॉक डाउन' के अवसर पर गाँव में रह रहे हैं, उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करने की सलाह देते हुए पत्र लिखिए।

BBPS, PITAMPURA